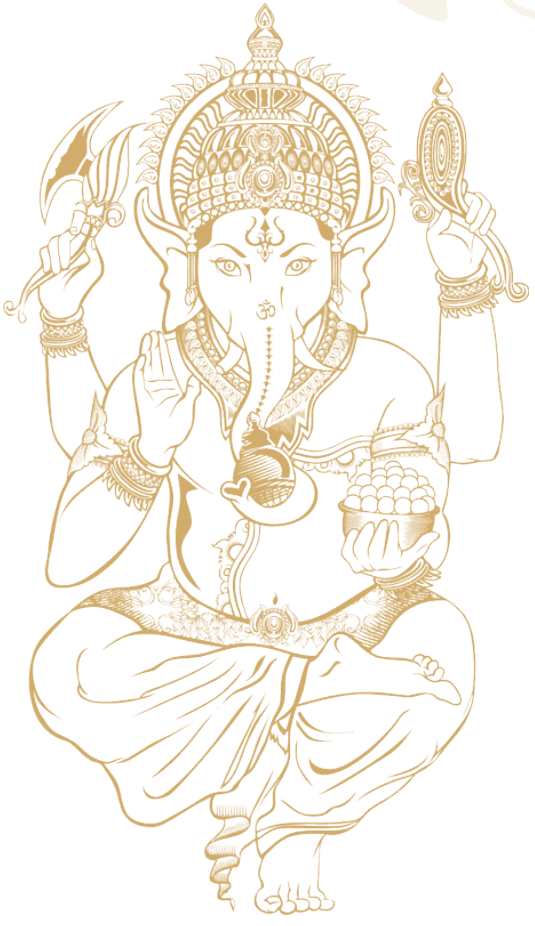

Sh. Brij Lal

19 Oct 1975

07:00 AM

Rasra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121186203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/10/1975**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	02:41:46 घटी
स्थान	**Rasra**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:52:00 उत्तर
रेखांश	83:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:05:20 घंटे
वेलान्तर	00:14:53 घंटे
साम्पातिक काल	08:52:58 घंटे
सूर्योदय	05:55:17 घंटे
सूर्यास्त	17:24:04 घंटे
दिनमान	11:28:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:31:22 तुला
लग्न के अंश	14:58:48 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	व्याघात
करण	वणिज
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:58:48	315:18:16	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			तुला	01:31:22	00:59:34	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			मीन	18:55:55	11:54:10	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	सम राशि
मंगल			मिथु	06:53:16	00:13:58	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	15:36:06	00:06:59	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
गुरु	व		मीन	25:24:00	00:08:00	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	स्वराशि
शुक्र			सिंह	16:31:58	00:48:19	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			कर्क	08:47:29	00:02:55	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	28:23:42	00:04:12	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	28:23:42	00:04:12	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			तुला	08:48:36	00:03:45	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
नेप			वृश्चि	16:23:20	00:01:43	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
प्लूटो			कन्या	16:13:44	00:02:16	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			कर्क	17:16:01	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:21

लग्न-चलित

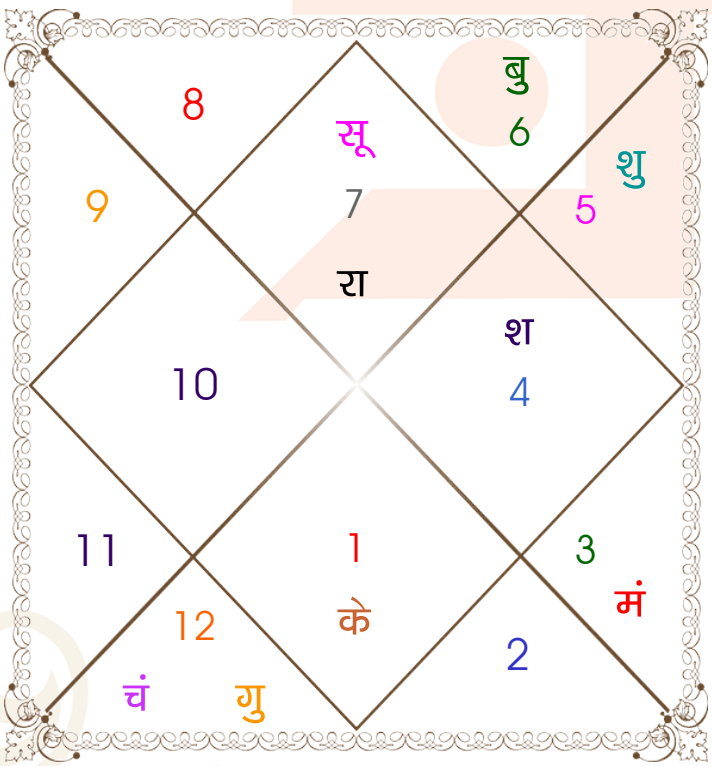

चन्द्र कुंडली

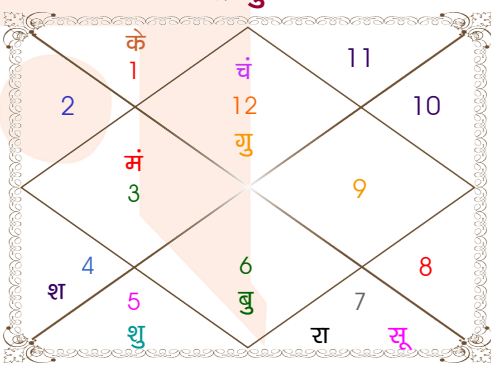

नवमांश कुंडली

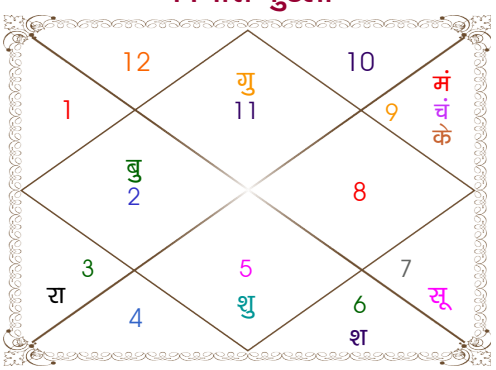

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 1 मास 10 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/10/1975		28/11/1989		28/11/1996		28/11/2016		28/11/2022	
28/11/1989		28/11/1996		28/11/2016		28/11/2022		28/11/2032	
	19/10/1975	केतु	26/04/1990	शुक्र	29/03/2000	सूर्य	17/03/2017	चंद्र	29/09/2023
केतु	23/04/1976	शुक्र	26/06/1991	सूर्य	30/03/2001	चंद्र	16/09/2017	मंगल	29/04/2024
शुक्र	22/02/1979	सूर्य	01/11/1991	चंद्र	28/11/2002	मंगल	22/01/2018	राहु	29/10/2025
सूर्य	29/12/1979	चंद्र	01/06/1992	मंगल	29/01/2004	राहु	17/12/2018	गुरु	28/02/2027
चंद्र	30/05/1981	मंगल	28/10/1992	राहु	28/01/2007	गुरु	05/10/2019	शनि	28/09/2028
मंगल	27/05/1982	राहु	16/11/1993	गुरु	28/09/2009	शनि	16/09/2020	बुध	27/02/2030
राहु	13/12/1984	गुरु	23/10/1994	शनि	28/11/2012	बुध	23/07/2021	केतु	29/09/2030
गुरु	21/03/1987	शनि	02/12/1995	बुध	29/09/2015	केतु	28/11/2021	शुक्र	29/05/2032
शनि	28/11/1989	बुध	28/11/1996	केतु	28/11/2016	शुक्र	28/11/2022	सूर्य	28/11/2032

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/11/2032		29/11/2039		28/11/2057		28/11/2073		28/11/2092	
29/11/2039		28/11/2057		28/11/2073		28/11/2092		00/00/0000	
मंगल	26/04/2033	राहु	11/08/2042	गुरु	16/01/2060	शनि	01/12/2076	बुध	27/04/2095
राहु	15/05/2034	गुरु	03/01/2045	शनि	30/07/2062	बुध	11/08/2079	केतु	19/10/2095
गुरु	20/04/2035	शनि	10/11/2047	बुध	04/11/2064	केतु	19/09/2080		00/00/0000
शनि	29/05/2036	बुध	30/05/2050	केतु	10/10/2065	शुक्र	20/11/2083		00/00/0000
बुध	26/05/2037	केतु	17/06/2051	शुक्र	10/06/2068	सूर्य	31/10/2084		00/00/0000
केतु	23/10/2037	शुक्र	17/06/2054	सूर्य	30/03/2069	चंद्र	02/06/2086		00/00/0000
शुक्र	23/12/2038	सूर्य	12/05/2055	चंद्र	30/07/2070	मंगल	12/07/2087		00/00/0000
सूर्य	30/04/2039	चंद्र	10/11/2056	मंगल	06/07/2071	राहु	18/05/2090		00/00/0000
चंद्र	29/11/2039	मंगल	28/11/2057	राहु	28/11/2073	गुरु	28/11/2092		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 1 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।